अक्तूबर 2011
वनिता
आपकी हमदम, आपकी दोस्त
मुफ्त आरती बुकलेट
तिरंगा
मूल्य ₹ 25
उत्सव
सुख संपदा सज्जा
भोग प्रसाद
वेडिंग पार्टी मेकअप
70 होम मेंटेनेंस टिप्स
3 नए कॉलम
इस अंक के साथ पाएं
दो सैशे बिलकुल फ्री
9 770975 039008

# नीता सिन्हा
# एस्ट्रो आर्किटेक्ट

**बिग बी अमिताभ बच्चन के बंगले का नाम *मनसा* से *जलसा* क्या हुआ, उनके बुरे दिनों के अंत और अच्छे दिनों की शुरुआत हो गयी। यकीन करें, नीता यही कहती हैं–**

कुछ पल ऐसे होते हैं, जो ठाकू को संत वाल्मिकी, मृदु को महाकवि कालिदास और रत्नावली के पति को स्वामी तुलसीदास बना देता है। खैर, ये उद्धरण कालजयी हैं। आइए, यहां आप और हम जैसे लोगों में शामिल नीता सिन्हा की बात करते हैं। वास्तु, ज्योतिष, हाथों की रेखाओं, कुंडली के घरों से कोसों दूर रही आर्ट्स ग्रेजुएट आम महिला को उनके जीवन में घटी एक घटना ने वास्तुविद बना दिया। उनके साथ-साथ कइयों की जिंदगी बदल गयी। छोरा गंगा किनारेवाला यानी अपने बिग बी भी इसमें शामिल हैं।

## टर्निंग पॉइंट

बात उन दिनों की है जब पति और बच्चों के साथ नीता सिन्हा महानगर मुंबई आयीं। पति की नयी नौकरी उनको कंक्रीट के इस जंगल में खींच लायी। कंपनी से मिले फ्लैट के हर कोने को पति-पत्नी ने प्यार से सँवारा। इस छोटे से फ्लैट में गूंजती बच्चों की किलकारियां और बड़ों के ठहाके अकसर आसपास के लोगों को सुनायी देते। एक खुशहाल दांपत्य के लिए जो निशां होते हैं, वे सभी यहां दिखायी दे रहे थे। लेकिन ना जाने इनकी खुशियों को किसकी नजर लग गयी। एक महीने बाद पति की कंपनी बंद हो गयी। फ्लैट छिन जाने का भय सताने लगा। इतने बड़े शहर में एक नया आशियाना बनाना आसान नहीं था, यह बात पति-पत्नी दोनों जानते थे। इस चहकते-महकते घर में रहनेवालों के चेहरे पर चिंता की लकीरें उनके पड़ोसियों को भी दिखने लगीं। तभी उनको उदास देख कर पड़ोस में रह रहे वास्तुविद डॉ. एलएम कुसुमा ने उनको भरोसा दिलाया। उन्होंने उनको कुछ सुझाव दिए। शुरुआत में उनकी बातों पर नवदंपती को यकीन नहीं हुआ। लेकिन उनके निर्देशों को बुझे मन से ही सही मान लिया। अपने घर और दिनचर्या में कुछ सुधार किए। नीता बताती हैं, ''आप यकीन नहीं करेंगे, कुछ ही दिनों बाद पता चला कि कंपनी की सिस्टर कंसर्न में पति को नौकरी मिल गयी और हमारा फ्लैट छिनने से बच गया। मेरे पति को एक भी दिन बिना नौकरी के नहीं रहना पड़ा। इसके बाद पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी।'' उस नौकरी में रहते हुए इनके पति को विदेश का दौरा करने का भी मौका मिला। लेकिन इस घटना ने इनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। वे डॉ. कुसुमा की शिष्या बन गयीं। उनसे वास्तु से संबंधी गुर सीखने लगीं। उनके साथ उनकी कुछ और सहेलियों ने वास्तु की बारीकियों को सीखने का निर्णय लिया। लेकिन मंजिल तक एक ही पहुंच पायीं, जो बाद में एस्ट्रो आर्किटेक्ट नीता सिन्हा बन गयीं।

## थ्रूस अप...

इस कार्यक्षेत्र में अकेले आगे बढ़ने की स्थिति तब आयी, जब इनकी गुरु डॉ. कुसुमा का आकस्मिक निधन हुआ। नीता कहती हैं, ''उनके निधन के बाद उनसे जुड़े क्लाइंट्स ने हमसे संपर्क किया। तब हम लोग इस पर रिसर्च कर रहे थे कि एक ही वास्तु का अनुसरण करके बनायी गयी बिल्डिंग में बने अलग-अलग फ्लैट के लोगों का जीवन एक-दूसरे से काफी भिन्न क्यों है। व्यक्ति और उसके वातावरण के बीच ऐसा क्या संबंध है, जो उसके जीवन में हो रहे उतार-चढ़ाव के लिए जिम्मेदार है। खैर, हमने क्लाइंट से मिलना शुरू किया और काम का श्रीगणेश हुआ।'' नीता पर इस काम का इतना जुनून सवार था कि उन्होंने जल्दी ही इसकी बारीकियों को सीख लिया। यह कार्य निरंतर चल रहा है। तभी तो इसमें डूबे रहने के बावजूद उनको थकान या उकताहट महसूस नहीं होती है। वे अपने काम को भरपूर एंजॉय करती हैं। इससे उनको काम करने की ऊर्जा मिलती रहती है।

## हैप्पी होम टिप्स

नीता सिन्हा मानती हैं कि व्यक्ति के जीवन में उसके आशियाने का गहरा प्रभाव होता है। इसलिए घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो और नेगेटिव एनर्जी दूर हो, इसके लिए केवल घर के वास्तु में ही नहीं अपने व्यवहार में भी बदलाव लाना जरूरी होता है। आप भी अपने घर के लिए इन टिप्स का इस्तेमाल कर सकती हैं—

- संध्या पहर अकसर गृहस्वामिनियां अकेलापन महसूस करती हैं। बच्चे या तो पढ़ रहे होते हैं या बाहर खेल रहे होते हैं। पति दफ्तर में होते हैं या दोस्तों के साथ रेस्तरां में बैठे होते हैं। ऐसे में गृहणियां तनहा हो जाती हैं। तनहाई से बचें। अगर कोई आसपास नहीं हो, तो अच्छा म्यूजिक लगा दें। गाने दर्दभरे नहीं हों।
- कई युवतियां घर के कामों में तो पारंगत होती हैं, लेकिन घर में डॉग से नहीं रहती हैं। इससे घर में मनहूस सा वातावरण बन जाता है। इससे बचना चाहिए। हमेशा प्रेजेंटेबल बन कर रहने से उदासी का वातावरण दूर होगा।
- नीता का मानना है कि आज नवविवाहितों को देख कर लगता ही नहीं कि ये नयी बहू हैं। किसी जमाने में चूड़ियों से भरे इनके हाथ और पैरों में खनकते घुंघरुओं की आवाज सभी को सुनायी देती थी। इस खनकती आवाज को अच्छा माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। इन परंपराओं को कुछ दिनों तक तो अवश्य निभाना चाहिए।
- आरती को दिनचर्या में शामिल करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि म्यूजिक सिस्टम पर दिनभर भक्ति संगीत ही चलता रहे। शंख की ध्वनि भी शुभ होती है।
- छोटे से घर में भी हरियाली के लिए जगह बनाएं। पॉजिटिव एनर्जी आएगी।
- घर में गहरे और हल्के रंगों के बीच का सामंजस्य सही होना चाहिए। जैसे कमरे का रंग हल्का है, तो गहरे रंग की बेडशीट बिछाएं।

## मैजिकल मोमेंट

नाक तक कर्ज में डूबे बिग थी के जीवन का वह दौर हर किसी को याद होगा। तब इससे उबरने के लिए उनके पास परामर्श देनेवालों की लंबी लाइन लगी होती थी। लेकिन वे ज्योतिष, वास्तु, हस्तरेखा जैसे तमाम विधयों के प्रभाव से निराश हो चुके थे। इन चीजों पर उनको यकीन दिलाना आसान नहीं था। गर्दिश के उन दिनों में उनकी मुलाकात नीता से हुई। नीता कहती हैं, ''अमित जी से मैंने अनुरोध किया कि वे अपने बंगले *मनसा* का नाम बदल कर *जलसा* कर दें। उन्होंने कहा इससे क्या होगा। तब कुछ लोगों ने उनको कहा कि अगर यह महिला इतने विश्वास के साथ कह रही है, तो ऐसा करने में क्या हर्ज है।'' अंतत: बिग बी ने उनकी बातों पर विश्वास जताते हुए वैसा ही किया, जैसा नीता ने बताया था। एक हफ्ता बीतने से पहले ही अमित जी के पास *कौन बनेगा करोड़पति* का ऑफर आया। फिर क्या हुआ, यह सभी को पता है।

इस घटना का यह असर हुआ कि खुद अमित जी ने नीता को फोन किया और उनको अपना दूसरा बंगला प्रतीक्षा को देखने के लिए आमंत्रित किया।

## प्रोफेशन व हॉबी में तालमेल

कुछ कामकाजी महिलाएं ऐसा मानती हैं कि एक ही व्यवसाय से जुड़ी महिलाओं की तुलना में पुरुषों को अधिक तवज्जो दी जाती है। उनके अच्छा कार्य करने के बावजूद पुरुष को ही विशेषज्ञ माना जाता है। लेकिन नीता जी इस पर विश्वास नहीं करती हैं। वे मानती हैं कि काबिल महिला के साथ कोई भेदभाव नहीं होता है। उनके साथ भी कभी ऐसा नहीं हुआ। हां, वे यह मानती हैं कि एक स्त्री होने के नाते सुरक्षा संबंधी पहलू जरूर सामने आता है। काम की शुरुआत में जब उनको घर के वास्तु का अध्ययन करने के लिए लोगों के घरों में जाना पड़ता था, तो उनके अंदर असुरक्षा की भावना होती थी। तब उनके पति ने उनका साथ दिया और खुद को उनके काम से जोड़ा। आउटडोर विजिट के दौरान वे हमेशा उनके साथ रहें। वे कहती हैं कि प्रोफेशन और रुचि में तालमेल हो, तो कामयाबी कदम चूमने को तैयार रहती है।

## प्राउड पावर

मूल रूप से बिहार निवासी नीता को वह दिन आज भी याद है जब बिहार के राज्यपाल ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा का सम्मान दिया। नीता बताती हैं, ''अपने राज्य में यह सम्मान पाना काफी उत्साहवर्द्धक अनुभव रहा। रिश्तेदारों और दोस्तों ने जब तारीफ की, तो मेरे पेरेंट्स को भी काफी खुशी हुई। उन्हें मुझ पर नाज है, यह सोच कर अच्छा लगता है।'' फिल्म अभिनेत्री दिवंकल खन्ना से ले कर टेलीविजन अभिनेत्री तसनीम शेख उनसे वास्तु संबंधी टिप्स लेती रहती हैं। उनके सेलेब्रिटी क्लाइंट्स की लिस्ट लंबी है।

अत्यंत व्यस्त दिनचर्या के बावजूद घर में वे एक सामान्य गृहिणी की तरह होती हैं। हर किसी की भावनाओं का ख्याल रखती हैं। किसे क्या पसंद है, क्या नहीं उनको खूब पता है। बेटे ने अगर मुसलम्म गोभी खाने की फरमाइश की, तो वे इसे बनाने में फौरन जुट जाती हैं। कुकिंग की शौकीन इस कार्यरत महिला के हाथों में जादू है, तभी तो इनके हाथ से बनाए गए खाने की तारीफ घरवाले और बाहरवाले दोनों करते हैं। ◆ **निशा सिन्हा**